हरि नगर-नई दिल्ली। त्रिमूर्ति शिव जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में अपनी शुभकामनाएं देते हुए आशीष सूद,होम मिनिस्टर,गवर्नमेंट ऑफ एनसीटी। साथ हैं राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी, डॉ. आचार्य,डायरेक्टर जनरल आयुष मंत्रालय, रिटायर्ड वाइस एडमिरल सतीश नामदेव घोरमडे,इंडियन नेवी, प्रो. श्रीनिवास,वाइस चांसलर सेन्ट्रल संस्कृत यूनिवर्सिटी तथा अन्य।

केरेडारी-झाखण्ड। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर निकाली झांकी के दौरान समूह चित्र में क्षेत्रीय विधायक रोशनलाल चौधरी, ब्र.कु. सरिता बहन तथा ब्र.कु. भाई-बहनें। कार्यक्रम में उपस्थित रहे थाना प्रभारी विवेक गुप्ता, पुलिस अधिकारी रविन्द्र जी, पत्रकार संघ जेजेए के अध्यक्ष सुमंत कुमार साहा, पूर्व विधायक प्रतिनिधि सुरेश राव।

जयपुर वाटिका-राज.। शिवरात्रि के उपलक्ष्य में शिव-शंकर की झांकी एवं 151 कलश शोभायात्रा के शुभारंभ में उपस्थित रहे महिला मोर्चा अध्यक्ष उमा शर्मा, प्रधान भंवन कंवर एवं सरपंच गीता चौधरी, उपसेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. ज्योति तथा अन्य।

आनन्दपुरी कॉलोनी-हाथरस(उ.प्र.)। त्रिमूर्ति शिव जयंती के अवसर पर निकाली शोभायात्रा में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शान्ता दीदी, ब्र.कु. हेमलता,इगलास, ब्र.कु. मीना,रामपुर, ब्र.कु. नीतू,मडराक, ब्र.कु. उमा,हसायन, ब्र.कु. दुर्गेश, परिवहन विभाग के मानिकचन्द शर्मा, एडवोकेट प्रेम यादव, इंजीनियर संजय सिंह, इंजीनियर राकेश साहनी तथा अन्य भाई-बहनें।

ब्रह्मपुर गिरी रोड-ओडिशा। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव में शिव ध्वजारोहण के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. माला,उपक्षेत्रीय निदेशिका, डॉ. संदीप मिश्रा,ईएनटी के एसोसिएट प्रोफेसर, डॉ. अनुराधा मिश्रा,असिस्टेंट प्रोफेसर स्त्री रोग, डॉ. चंदन गंटायत,मेडिसिन विशेषज्ञ, डॉ. भारती मिश्रा,एच.ओ.डी. स्त्री रोग, डॉ. संध्या श्री पांडा स्त्री रोग, वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सुभाष महापात्रा, डॉ. प्रकाश चंद्र पात्रा,मधुमेह रोग विशेषज्ञ।

साइलेंस... एक पॉवरफुल मेडिसिन

राजयोगिनी ब्र.कु. उषा बहन,
वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

सम्बन्धों में मधुरता की महसूसता ही स्वीट साइलेंस

- गतांक से आगे...

पिछले अंक में आपने पढ़ा कि जब बाह्य कर्मेन्द्रियों को समेट लिए, अन्तर्मुखी हो गये, भीतर चले गए और भीतर जाकर उस आनन्द का, क्योंकि ये सारी चीज़ है, अगर ये भरपूरता आई तो इसका फाइनल रिज़ल्ट क्या है? आनंद। उसका फाइनल रिज़ल्ट है कि योग में अतीन्द्रिय सुख या आनंद की अनुभूति होना। जो बाहर की कोई भी चीज़ मन को विचलित नहीं कर सके, ये है साइलेंस। अब आगे पढ़ेंगे...

दूसरा जब कहते हैं स्वीट साइलेंस। तो स्वीट साइलेंस मतलब, जिस साइलेंस के अन्दर बहुत सुख हो, मधुरता हो वो स्वीट साइलेंस है। तो वो किसमें मिलेगी? सीधा परमधाम थोड़े पहुंच जाना है! स्वीट साइलेंस कहाँ मिलती है? सम्बन्धों में। जिस व्यक्ति के साथ या जिस सम्बन्ध में अति समीपता है तो वहाँ से सुख की महसूसता होती है, सुख की फीलिंग मिलती है। जिस व्यक्ति के साथ आपका घनिष्ठ सम्बन्ध है, अति नज़दीक है, सम्बन्ध है उसके साथ जिस समय कुछ पल भी बिताते हैं तो भी वो सुखद पल हो जाते हैं। जिस सम्बन्ध की रसना हम ले रहे हैं उसमें जैसे आत्मा को सुकून मिल रहा है। तो जो सुकून है उसको कहते हैं स्वीट साइलेंस। इसीलिए बाबा बच्चों को बार-बार कहते हैं कि सर्व सम्बन्ध को मेरे साथ जोड़ो। यही कहा देह सहित देह के सर्व धर्म को भूल एक मेरी शरण में आ जाओ। गीता में भी कहा कि तू सर्व को भूल, मनुष्य के कितने धर्म होते हैं?

गीता ज्ञान दिया गया पाँच हज़ार साल पहले, अगर दुनिया के हिसाब से देखा जाये तो उस समय तो कोई न हिन्दु था, न मुसलमान था, न सिक्ख था, न ईसाई था, कोई था क्या? सारे तो हिन्दु थे महाभारत के युद्ध में। फिर अर्जुन को कहा कि सर्वधर्मान् परित्यज्य। तो कौन से धर्म को छोड़ने को कहा? देह के कितने धर्म हैं? एक व्यक्ति के देह के कितने धर्म हैं? मुझे याद आता है कि कुछ दिन पहले की मुरली में बाबा ने कहा कि एक होता है गृहस्थ धर्म, और एक होता है गृहस्थ आश्रम। सतयुग-त्रेता में गृहस्थ आश्रम है। गृहस्थ धर्म नहीं। लेकिन द्वापर के बाद गृहस्थ धर्म शुरू होता है। तो गृहस्थ धर्म है और कौन-सा धर्म है? और देह के कौन से धर्म हैं जिसको सबको छोड़ना है। गृहस्थ धर्म, पति धर्म, पत्नी धर्म, इसलिए धर्म पत्नी कहा जाता है। पुत्र धर्म, पिता धर्म, कितने धर्म हो गये? है कि नहीं ये सारे धर्म? इसीलिए कई बार कई गृहस्थी कि हमको पहला तो पति धर्म देखना पड़ेगा, तो पति धर्म अगर हुआ तो परमात्मा के प्रति जो धर्म है वो साइड में हो गया। वो सेकंड नम्बर हो गया। इसीलिए भगवान ने गीता में भी अर्जुन को कहा सर्वधर्मान् परित्यज्य। ये सर्व धर्म जो हैं तेरे, जो तूझे आकर्षित कर रहे हैं। अभी तेरा एक ही धर्म है ईश्वर के प्रति। और इसीलिए कहा कि सर्वधर्मान् परित्यज्य मामेकं शरणं। सिर्फ मेरी शरण में आ जाओ और कुछ भी नहीं सोचो। तो बाबा भी हम बच्चों को रोज़ क्या कहते हैं कि मनमनाभव। जो ये सारे धर्म बनाकर रखे हैं, जिसके कारण तू उलझा हुआ है, इन सब धर्मों को क्या करो, बुद्धि से छोड़ो, भूलो, हाँ कर्त्तव्य जहाँ है वो कर्त्तव्य निभाओ, कर्म निभाओ, सम्बन्ध निभाओ लेकिन धर्म तुम्हारा किसकी तरफ हो? बाबा के प्रति हो। जब इस तरह से बाबा की शरण में आते हैं बाकी सब धर्मों को छोड़ करके तो सम्बन्धों को भी सहजता से निभाने की क्षमता रखेंगे, निभाने में सहजता हो जायेगी,कठिनाई महसूस नहीं होगी।

ये जो सारे रिश्ते हैं और उन रिश्तों के प्रति जो तुम्हारी, समझता है कि ये पहला होना चाहिए मेरा, ये मेरा पहला धर्म है, नहीं। बाबा कहे पहला धर्म है तुम्हारा ईश्वर के प्रति।

-क्रमशः

प्रयागराज-उ.प्र.। 144 साल बाद महाकुम्भ में आयोजित 'स्वर्णिम भारत ज्ञानकुम्भ मेले' की संयोजिका राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी को स्वर्णिम भारत ज्ञान कुम्भ का सफलता वंचित समारोह के लिए 'ग्लोबल बुक ऑफ एक्सिलेंस,इंग्लैंड के ऑनर सराफा डेक द्वारा सम्मानित किया गया। असंगत के संयुक्त भवन में राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित करते हुए ग्लोबल बुक ऑफ एक्सिलेंस,इंग्लैंड के कोऑर्डिनेटर डॉ. ब्र.कु. सुरेन्द्र गोयल एवं वाइस प्रेसिडेंट डॉ. ब्र.कु. दीपक हरके।

नूरपुर बेदी-पंजाब। त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव का दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन करते हुए श्री स्वामी अमोलक नंद जी महाराज, खरड़ से डॉ. गिरीश चंद्र शर्मा, राजयोगिनी डॉ. ब्र.कु. रमा दीदी,मोहाली, ब्र.कु. अंजू, ब्र.कु. पूनम, ब्र.कु. नम्रता, ब्र.कु. रेखा तथा अन्य।

आगरा-आर्ट गैलरी म्यूज़ियम(उ.प्र.)। गणतंत्र दिवस के अवसर पर कृषि विभाग ट्रेनिंग सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में भीम सेन,अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक,आगरा ज़ोन को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मधु। साथ हैं ब्र.कु. माला व ब्र.कु. संगीता।

फतेहाबाद-हरियाणा। 89वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती महोत्सव में मनोहर मेमोरियल कॉलेज के डायरेक्टर राजीव बत्रा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मोहिनी बहन। साथ हैं ब्र.कु. मूर्ति एवं ब्र.कु. मदन।

रादौर-बुबका(हरियाणा)। शिवरात्रि कार्यक्रम के पश्चात् सरपंच सुरेशो देवी व पार्षद शीतल देवी को ईश्वरीय स्मृति चिन्ह पोस्टर सौगात भेंट करने के पश्चात् साथ हैं ब्र.कु. राज बहन एवं ब्र.कु. राजू।